Pyraclostrobin 100 g/l CS
Seltima®
Fungicide

Pyraclostrobin 100 g/l CS (Seltima) is a very effective fungicide used to control of Blast in Paddy.

CHEMICAL COMPOSITION

Sr. No.	Ingredient	w/v (g/l)
1	Pyraclostrobin a.i.	100
2	Alcohols, C8-10, ethoxylated propoxylated	100
3	Blend of aromatic hydrocarbons, naphthalene depleted	100
4	Glycerol	50
5	Polyisocyanates based on isocyanurated hexamethylene diisocyanate	39.8
6	Alcohols, C12-18, ethoxylated propoxylated	37.6
7	N-butanol alkoxylate	11.3
8	Sodium lignosulphonate	9.8
9	Diethylene triamine	7.5
10	Silicon dioxide, chemically prepared	5
11	Polysaccharide	2.5
12	1,2-benzisothiazoline-3-one plus 2-methyl -4-isothiazoline-3-one	2
13	Silicone antifoam	2
14	Citric acid monohydrate	1
15	Water	q.s.
	Total	**1000.00**

Density: 1.05 g/cm³

Application & Recommendation for use:
When used as per the recommendations given below, Pyraclostrobin 100 g/l CS provides effective control of blast disease in paddy.

Crop	Common name of Disease	Dosage / ha			Waiting Period (Days)
		a. i. (grams)	Formulation (ml)	Water (Litres)	
Paddy	Blast	100	1000	500	18

Time of Application and crop stage: Preventive application before the first symptoms of disease observed. Apply during stem elongation to Flowering stage

Weather conditions: Should be applied preferably in the morning and evening. Avoid applications under high wind and if rain is forecasted within 1 hours.

Soil: This is foliar application fungicide. No special recommendation for soil preparation.

Application technique, equipment type, nozzle type: Ground backpack applications equipped with hollow cone nozzle using recommended quantity of water to ensure thorough coverage of crops.

Dosage: 1000 ml of formulation in 500 litres of water per hectare.

Instruction for mixing: 1. Measure out required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified through agitation. 2. Mix directly into sprayer and apply immediately to keep integrity of capsules for best performance and environmental safety.

Tank mixing with pesticides, fertilizers, or adjuvants which contain solvents is not recommended.

Re-entry period: After spray solution has dried.

PHI: 18 days

Application timing: The product can be applied as prophylactic. Should be applied preferably in the morning and evening.

Frequency including maximum number of sprays: Sprays 10-15 days interval, not more than two sprays per season. Consecutive sprays with similar mode of action to be avoided.

Stages during which fungicide should not be applied on any crop: Should not be used before stem elongation and after flowering.

Not to be used on crops other than mentioned on this label/ leaflet.

Toxic to aquatic organisms hence should not be used near water bodies or Pisiculture area

Storage:
1. The packages containing the fungicide should be stored in original containers in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles particularly articles of food or shall be kept in separate almirahs under lock and key.
2. The rooms or premises meant for storing the fungicide shall be well built, dry, well lit and ventilated and of sufficient dimension to avoid contamination with vapor.

Safety Precautions:
1. Avoid inhalation and skin contact while diluting because of spillage or splashes. Do not mix with bare hands.
2. The user should use full protective clothing, which includes rubber gloves, boots, face shield and overall or rubber apron or hat.

Poisoning Symptoms: The early symptoms may be respiratory tract pain, eye pain, pruritus, skin redness, weakness, headache and dizziness.

First Aid: If Ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician. **If Inhaled:** Take the patient to fresh air and take care of body temperature. If patient is not breathing or breathing with difficulty, give artificial respiration, preferably with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of skin contact:** Wash thoroughly with soap and plenty of water. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **In case of eye contact:** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists. Consult eye specialist.

Advice to Physician: In case of poisoning treat symptomatically.

Antidote: No specific antidote is known.

Warning: Dangerous to reuse empty containers.

Safe Disposal of Used Containers:
1. Packages or surplus materials and washings from the machines and containers should be disposed of in a safe manner as to prevent environmental and water pollution.
2. The used packages shall not be left outside to prevent their reuse.
3. Packages shall be broken and buried away from habitation.

Name of the manufacturer : BASF Espanola S.L., Poligon Industrial San Vincente, 08755 Castellbisbal / Spain

Imported, Re-packed and Marketed by : BASF India Limited. **Registered office :** 1st Floor, Vibgyor Towers, Plot No.62, "G" Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai – 400051. **Factory :** Unit No. 4 ,Village Nimbua, P. O Mubarakpur-140201, Tehsil Dera Bassi, Distt. Mohali , Punjab.

English

पाइरेक्लोस्ट्रोबिन १०० ग्रा / लि सीएस
सेल्टिमा™
फफूंदनाशक

पाइरेक्लोस्ट्रोबिन १०० ग्रा / लि (सेल्टिमा) सीएस धान में ब्लास्ट रोग के नियंत्रण के लिए एक बहुत ही प्रभावशाली फफूंदनाशी है।

रासायनिक घटक :

क्रमांक	सामग्री	भार/आ (ग्रा/लि)
१.	पाइरेक्लोस्ट्रोबिन ए.आई.	१००
२.	अल्कोहल, सी८-१०, एथोक्सीलेटेड प्रोपेक्सीलेटेड	१००
३.	सुगंधित हाइड्रोकार्बन का मिश्रण, नैफ्थलीन डिप्लीटेड	१००
४.	ग्लिसरीन	५०
५.	आइसोसायन्यूरेट हेक्सामिथायलीन डाय आयसोसायनेट पर आधारित पॉलीआइसोसायनेट	३९.८
६.	अल्कोहल, सी१२-१८, एथोक्सीलेटेड प्रोपेक्सीलेटेड	३७.६
७.	एन-ब्यूटानॉल एल्कोक्सीलेट	११.३
८.	सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	९.८
९.	डायथीलीन ट्रायमीन	७.५
१०.	रासायनिक रीति तैयार कार्बनेटु सिलिकोन डाइऑक्साइड	५
११.	पॉलीसैकेराइड	२.५
१२.	१, २-बेन्जीसोथियाज़ोलाइन-३-एन प्लस २-मिथाइल-४-आइसोथियाज़ोलाइन-३-एन	२
१३.	सिलिकोन मेटाइप्रोम	२
१४.	साइट्रिक मोनोहाइड्रेट	१
१५.	पानी	क्यु.एस.
	कुल	**१०००.०**

घनत्व : १.०५ ग्रा/सेमी³

प्रयोग का तरीका और सिफारिश : नीचे दिये गये निर्देशानुसार इस्तेमाल करने पर पाइरेक्लोस्ट्रोबिन १०० ग्रा / लि (सेल्टिमा) सीएस धान में ब्लास्ट रोग के नियंत्रण के लिए एक बहुत ही प्रभावशाली फफूंदनाशी है।

फसल	रोग का प्रचलित नाम	मात्रा/हेक्टेअर			प्रतीक्षा अवधि (दिन)
		स.त. (ग्राम)	फॉर्मूलेशन (मिलि)	पानी (लीटर)	
धान	ब्लास्ट रोग	१००	१०००	५००	१८

छिड़काव का समय एवं उपयोग के लिए फसल की प्रविधि : बीमारी के लक्षण उपजने से पहले बचावकारी इस्तेमाल करें। तने के बढ़ने से पुष्पन तक की अवस्था में इस्तेमाल करें।

मौसम दशाएं : सुबह या शाम के समय इस्तेमाल करना बेहतर होता है। अगर तेज हवाएं चल रही हों या एक घंटे के अंदर बारिश होने की संभावना हो तो इस्तेमाल न करें।

मृदा : यह पत्तियों पे इस्तेमाल किया जाने वाला फफूंदनाशक है। इसलिए मिट्टी की तैयारी के बारे में कोई विशेष सिफारिशें नहीं हैं।

उपयोग तकनीक, उपस्कर प्रकार, नोजल प्रकार : ठोस कोन नोजल युक्त ग्राउन्ड बैकपैक का इस्तेमाल, पानी की सुझायी गई मात्रा का इस्तेमाल करना चाहिए ताकि पूरी फसल पर छिड़काव किया जा सके।

मात्रा : १००० मीली मिश्रण १००० लिटर पानी में प्रति हेक्टेयर।

मिश्रण के लिए अनुदेश : १. प्रोडक्ट की आवश्यक मात्रा लें और उसे थोड़े से पानी में मिलाएं। उसके बाद पानी की निर्धारित तय मात्रा को घोलते हुए मिला लें। २. सीधे स्प्रेयर में मिलाएं और उत्तम कार्यक्षमता तथा पर्यावरण की सुरक्षा के लिए कैप्सूल्स की पुनरावा को बनाए रखने के लिए तुरन्त इस्तेमाल कर लें।

जिन कीटनाशकों, फर्टिलाइजर्स या एडजुवेन्ट्स में सॉल्वेन्ट्स हैं, उनके साथ टैंक मिश्रण न बनाने की सलाह दी जाती है।

पुनः प्रवेश की अवधि : छिड़काव घोल के सूखने के बाद।

पूर्व फसल का अंतराल : १८ दिन

उपयोग का समय निर्धारण : उपचार का इस्तेमाल प्रोफाइलेक्टिक के रूप में किया जा सकता है। सुबह और शाम के समय छिड़काव करना ज्यादा बेहतर होता है।

आवृत्ति जिसके अंतर्गत छिड़काव की अधिकतम संख्या : छिड़काव १० से १५ दिन का अंतराल में होना चाहिए। २ से ज्यादा छिड़काव ५ ऋतु में ना करें। अनुपयोगी छिड़काव समान कार्यप्रवृत्ती फफूंदनाशक का उपयोग ना करें।

प्रस्थिति जिसके दौरान फफूंदनाशक किसी फसल पर अनुपयुक्त नहीं होगें : तने के बढ़ने से पहले तथा पुष्पन के बाद इसका इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।

तेलन और पत्ती पर तलिसिक्त न होने की स्थिति में, इसका प्रयोग फसल पर न करें:

जलिय जीवों के लिए हानिकारक है इसलिए इसका उपयोग जल निकायों या मछली पालन क्षेत्र के पास नहीं करना चाहिए।

भंडारण :
१. फफूंदनाशक के डिब्बों का भंडारण अन्य वस्तुओं खासतौर से खाद्य-पदार्थ रखे जाने के कमरों या परिसर से दूर अलग कमरों या परिसरों में या फफूंदनाशक की मात्रा तथा प्रकृति के अनुसार अलग अलमारियों में ताला बंद करके किया जाना चाहिए।
२. फफूंदनाशक के भंडारण हेतु बनाये या परिसर अच्छी तरह निर्मित, हवादार, पर्याप्त रोशनी व इक की आवाजाही वाले एवं सफाई की होने चाहिए ताकि उसमें वाष्प से प्रदूषण न हो।

सुरक्षा सावधानियां:
१. घोल बनाते समय उसके छलकने या छिटकने से त्वचा पर लगने या सांस द्वारा अंदर जाने से रोकें, खाली हाथ से घोल न बनाएं।
२. इस्तेमालकर्ता को पूरी सुरक्षासूची जब पहनी चाहिए, जिसमें रबर के दस्ताने, बूट, चेहरे का नकाब और रबर का पूरा एप्रन तथा टोपी हो सकती है।

विषाक्तता के लक्षण : शुरुआती लक्षणों में श्वसनतंत्र में दर्द, आँख में दर्द, खुजली, त्वचा में लाली, कमजोरी, सिर दर्द और चक्कर आना आदि हो सकता है।

प्रथमोपचार : निगलने पर : मरीज सजग हो तो, मुँह पानी से धोएँ और १-२ गिलास पानी पिलाएँ बेहोशी की हालत में मुहँ कुछ न दें। तुरंत डॉक्टर को बुलाए डॉक्टर की सलाह बिना उल्टी ना कराएं। **सूंघ लेने पर :** मरीज को ताजी हवा में ले जाए। उसके शरीर के तापमान का ख्याल रखे। अगर वो सांस नहीं ले रहा हो या सांस लेने में तकलीफ हो तो कृत्रिम श्वसन दें। अधिमानतः मुँह में मुँह का तरीका है। अगर वो सांस नहीं ले रहा हो या सांस लेने में तकलीफ हो तो कृत्रिम श्वसन दें। अधिमानतः मुँह में मुँह का तरीका है। **त्वचा के संपर्क में आने पर :** साबुन और पानी से अच्छी तरह धोएँ। अगर दर्द लालिमा और झुंझलाहट हो तो डॉक्टर की सलाह लें। दूषित कपड़े अलग निकालकर साबुन और पानी से अच्छी तरह से धोकर ही इस्तेमाल करें। **आँखों के संपर्क में आने पर :** पानी से हलके से ये कम-से-कम पांच मिनट तक धोएँ। दर्द, लालिमा और फोटोफोबिया हो तो आँखों के डॉक्टर की सलाह लें।

चिकित्सक को सलाह : विषाक्तता होने पर मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें।

विष निवारण: कोई विशिष्ट विष निवारण नहीं है। मरीज का उपचार लक्षणानुसार करें।

चेतावनी: खाली डिब्बे का पुनः उपयोग खतरनाक है।

कंटेनर्स/उपयोग किये गये आधानों का सुरक्षित निपटान :
१. डिब्बों या सभी दूर्व सामग्रियों तथा धावनें और डिब्बों की धोवन का निपटान सुरक्षित तरीके से इस प्रकार करना चाहिए कि पर्यावरण या जल प्रदूषण न हो।
२. खाली डिब्बों को खुले में नहीं फेंकना चाहिए ताकि उनका दोबारा इस्तेमाल न हो।
३. डिब्बों को तोड़-फोड़कर निवासी स्थानों से पर उनमें में गाड़ दिया जाना चाहिए।

निर्माता : बीएएसएफ इस्पेनोल एस.एल., पॉलिगॉन इंडस्ट्रियल सेन विन्सेंट, ०८७५५ कास्टेलबिस्बल/स्पेन

आयातकर्ता, पुनःपैकिंग एवं विपणनकर्ता : बी ए एस एफ इंडिया लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालय : बीकॉर टॉवर्स, १ ली मंजिल, प्लॉट नं. ६२, "जी" ब्लॉक, बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बान्द्रा (ई), मुंबई – ४०० ०५१ । **फैक्टरी :** यूनिट नं. ४, गांव निंबुआ, पो. मुबारकपुर - १४०२०१, तहसील देरा बस्सी, जिला. मोहाली, पंजाब।

Hindi

પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ૧૦૦ ગ્રા./લિ સીએસ
સેલ્ટિમા™
ફૂગનાશક

પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ૧૦૦ ગ્રા./લિ સીએસ (સેલ્ટિમા) ડાંગરમાં બ્લાસ્ટને કાબૂમાં લેવા માટે ઉપયોગ કરાતું અત્યંત અસરકારક ફૂગનાશક છે.

રાસાયણિક સંરચના :

અનુક્રમ	સામગ્રી	વ/વ (ગ્રા/લિ)
૧.	પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન એ.આઈ.	૧૦૦
૨.	આલ્કોહોલ, સી૮-૧૦, ઇથોક્સીલેટેડ પ્રોપોક્સીલેટેડ	૧૦૦
૩.	આરોમેટિક હાઇડ્રોકાર્બન, નેપ્થાલીન ડિપ્લીટેડનું મિશ્રણ	૧૦૦
૪.	ગ્લાયસેરોલ	૫૦
૫.	આઇસોસાયન્યુરેટ હેક્સામિથાયલીન ડિસોસાયનેટ પર આધારિત પોલીઆઇસોસાયનેટ	૩૯.૮
૬.	આલ્કોહોલ, સી૧૨-૧૮, ઇથોક્સીલેટેડ પ્રોપોક્સીલેટેડ	૩૭.૬
૭.	એન-બ્યુટાનોલ આલ્કોક્સીલેટ	૧૧.૩
૮.	સોડિયમ લિગ્નોસલ્ફોનેટ	૯.૮
૯.	ડાયથીલીન ટ્રાયમાઇન	૭.૫
૧૦.	રાસાયણિક રીતે તૈયાર કરાયેલું સિલિકોન ડાયોક્સાઇડ	૫
૧૧.	પોલીસેકેરાઇડ	૨.૫
૧૨.	૧, ૨-બેન્ઝીસોથિઆઝોલાઇન-૩-વન પ્લસ ૨-મિથાઇલ-૪-આઇસોથિઆઝોલાઇન-૩-વન	૨
૧૩.	સિલિકોન એન્ટીફોમ	૨
૧૪.	સાઇટ્રિક એસિડ મોનોહાઇડ્રેટ	૧
૧૫.	પાણી	જથ્થો એસ.
	કુલ	**૧૦૦૦.૦**

ઘનતા : ૧.૦૫ ગ્રા/સેમી³

છંટકાવ અને ઉપયોગ માટે સૂચના : નીચે મુજબ સૂચન અનુસાર ઉપયોગ કરાય ત્યારે પાયરાક્લોસ્ટ્રોબિન ૧૦૦ ગ્રા./લિ સીએસ ડાંગરમાં બ્લાસ્ટના રોગો સામે અસરકારક નિયંત્રણ આપે છે.

પાક	રોગનું સામાન્ય નામ	માત્રા/હેક્ટર			રોગપ્રતિકારક અવધિ (દિવસો)
		એ.આઈ. (ગ્રા)	સંરચના (મિલિ)	પાણી (લિટર)	
ડાંગર	બ્લાસ્ટ	૧૦૦	૧૦૦૦	૫૦૦	૧૮

છંટકાવનો સમય અને પાકનો તબક્કો : રોગનાં પ્રથમ લક્ષણો દેખાય તે પૂર્વે પ્રતિબંધાત્મક છંટકાવ. થડ લાંબુ થવાથી ફૂલ આવવા સુધીના તબક્કામાં છંટકાવ કરો.

હવામાનની સ્થિતિ : સવારે અને સાંજે ઉપયોગ કરવાનો બહેતર રહેશે પરંતુ ઝાકળ જોઇએ. પવનની દિશામાં અને વરસાદ મોડે કરાય ફૂગીની ફૂલ આવવા સુધીમાં તબક્કામાં કોઇ એવી સ્થિતિઓમાં ઉપયોગ ટાળવો જોઇએ.

જમીન : આ પાર્ટિક છંટકાવ ફૂગનાશક છે. માટીની તૈયારી માટે કોઇ વિશેષ સૂચના નથી.

છંટકાવની રીત, ઉપકરણનો પ્રકાર, નોઝલનો પ્રકાર : હોલો કોન નોઝલ ધરાવી ગ્રાઉન્ડ સ્પ્રેયર જો ઉપયોગ કરી તો તમા પાકીની સુરક્ષિત માત્રાનો ઉપયોગ કરીને પાકને સંપૂર્ણ રીતે આવરી લેવો.

સિફારશ કરાયા માટે સૂચના : ૧. આવશ્યક માત્રાનો પ્રોડક્ટ લો અને થોડી માત્રામાં પાણી સાથે બરોબર ઢવાળો. મહત્ત કરાયલા રાશિને મિક્સિંગ અનુસાર બાકી પાણી પણ ઉમેરી દો. **૨.** સ્પ્રેયરમાં સીધા જ મિશ્રણ કરો અને ઉત્તમ કામગીરી અને પર્યાવરણીય સુરક્ષા માટે કેપ્સુલોની અખંડતા જાળવી રાખવા માટે તાત્કાલિક છંટકાવ કરો.

જંતુનાશકો, ખાતર કે સોલ્વન્ટ્સનો સમાવેશ ધરાવતા સંપૂર્ણકો સાથે ટંકીમાં મિશ્રણની ભલામણ કરાતી નથી.

પુનઃપ્રવેશનો સમયગાળો : છંટકાવનું મિશ્રણ સુકાયા પછી.

પીએચઆઈ : ૧૮ દિવસ

છંટકાવનો સમય : પ્રોડક્ટ આગોતરા છંટકાવ તરીકે વાપરી. સવારે અને સાંજે છંટકાવ કરવાનો આગ્રહ રાખવો.

છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સાથે સાતત્યતા : ૧૦-૧૫ દિવસના અંતરે છંટકાવ કરો. મોસમ દીઠ બેથી વધુ છંટકાવ નહીં કરવો. એકસમાન કાર્ય કરવાની પદ્ધતિ વાળા લાગલગાટ છંટકાવ કરવાનું ટાળવું જોઇએ.

કોઇ પણ પાક પર ફૂગનાશકનો છંટકાવ નહીં કરી શકાય એવા તબક્કા : થડ વધવા પૂર્વે અને ફૂલ આવ્યા પછી ઉપયોગ નહીં કરવો જોઇએ.

આ લેબલ/લીફલેટમાં ઉલ્લેખ સિવાયના પાક પર ઉપયોગ નહીં કરવો.

દરિયાઈ જળો માટે ઝેરી હોવાથી પાણીના સોત કે મત્સ્યપાલન ક્ષેત્રની જગ્યાનોમાં ઉપયોગ નહીં કરવો જોઇએ.

સંગ્રહની શરતો :
૧. ફૂગનાશકોને ધરાવતા પાત્રોને અન્ય પદાર્થો સંગ્રહ કરાતી જગ્યા કે ઓરડીથી દૂર અલગ જગ્યા કે ઓરડીમાં અથવા ફૂગનાશકોની માત્રા અને પ્રકાર આધારે અલગ કબાટમાં તાળું-ચાવી મારીને સંગ્રહ કરવા જોઇએ.
૨. ફૂગનાશકોના સંગ્રહ માટેની જગ્યા કે ઓરડી યોગ્ય બાંધકામ ધરાવતી, સૂકી, યોગ્ય હવા ઉજાસ ધરાવતી અને પૂરતા વિસ્તારવાળી હોવી જોઇએ જેથી વરાળથી દાગતો અટકાવી શકાય.

સુરક્ષાની સાવચેતીઓ :
૧. મિશ્રણ કરવા દરમ્યાન ઢોળાવાની કે છલકાઇ ઊઠવાની ઘટનામાં જોખમું કે ત્વચા સાથે સંપર્ક થવાનું ટાળો. મુઠ્ઠા હાથે મિશ્રણ નહીં કરવા.
૨. ઉપભોક્તાએ સંપૂર્ણ સંરક્ષણાત્મક કપડાં પહેરવાં, જેમ કે, રબરનાં દસ્તાનાં, બૂટનાં, ચહેરાનું મિટર અને એકંદર અથવા રબર એપ્રોન અથવા ટોપ.

ઝેરનાં લક્ષણોઃ પહેલાં લક્ષણોમાં શ્વાસોશ્વાસ માર્ગમાં દર્દ, આંખમાં દર્દ, ખૂજારિત (ત્વચામાં ખંજવાળ), ત્વચામાં લાલાશ, કમજોરી, માથામાં દર્દ અને ચક્કર.

પ્રાથમિક ઉપચાર : જો ગેરસમાં જવા તો: જો વ્યક્તિ ભાનમાં અને સતર્ક હોય તો મોઢું પાણીમાં ડુબાડી અને પીવા માટે ૧ કે ૨ ગ્લાસ પાણી આપો. બેભાન વ્યક્તિને કશું પણ મોઢા વાટે આપશો નહીં. ડોક્ટરને બોલાવો. તબીબ કહે નહીં ત્યાં સુધી ઝળજળકીયાં ઊલટી નહીં કરાવશો. **જો શ્વાસમાં જાય:** દર્દીને તાજા વાતાવરણ પર લ�ો અને શરીરના તાપમાનનું ધ્યાન રાખો. જો દર્દી શ્વાસ લેતો ન હોય અથવા શ્વાસ લેવામાં મુશ્કેલી પડતી હોય તો શક્યતાની રીતે મોઢાથી કૃત્રિમ શ્વાસ આપો. તબીબને જાણ કરો. **ત્વચા સાથે સંપર્ક થવાના કિસ્સામાં:** ભરપૂર પાણી અને સાબુથી ધોવો. ભાન કર્યા પછી પણ દુઃખાવો, દર્દ કે ખંજવાળ નહીં જાય તો ડોક્ટરને બોલાવો. આંખ દૂષિત થયાં અલગ કરાવ જોઇએ અને કરી ઉપયોગ કરવા પૂર્વે ભાગુ અને પાણીથી અલગથી ધોવા જોઇએ. **આંખો સાથે સંપર્ક થવા પર:** કમસોમ ૧૫ મિનિટ સુધી ભરપૂર પાણીમાં ધોળી રાખો. જો તે ઉતરાં દર્દ, ખંજવાળ, લાલાશ કે ફોટોફોબિયા યથાવત રહે તો નેત્ર નિષ્ણાતને સલાહ લો.

તબીબને સલાહ : ઝેર લાગ્યું હોય તો લક્ષણ મુજબ ઉપાય કરો.

મિરિકિલિઝનાશકી લક્ષણ : વિષહરણ સારવાર લક્ષણાનુસાર કરવાને લાગ.

ઉતારા : વિશિષ્ટ ઉતારા નહીંત નથી.

ચેતવણી : ખાલી ડબ્બાઓ ફરીથી ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે.

ઉપયોગ કરેલા ડબ્બાનો સુરક્ષિત નિકાલ :
૧. પેકેજો અથવા વધારાની સામગ્રીનો અને મશીન તથા ડબ્બાઓના ધોવારાનું પાણી સુરક્ષિત રીતે નિકાલ કરવો, જેથી પર્યાવરણીય અને જળ પ્રદૂષણ ટળે.
૨. ઉપયોગ કરેલાં પેકેજોનો ફુરી ઉપયોગ થવાનું ટાળવા માટે તે બહાર ખુલ્લામાં નહીં સોંપી દેતા.
૩. પેકેજો તોડી નાખવાં અને આવાસી વસ્તારથી દૂર દાટી દેવાં.

ઉત્પાદકનું નામ : બીએએસએફ એસ્પેનોલા એસ.એલ., પોલીગોન ઇન્ડસ્ટ્રિયલ સેન વિન્સેંટ, ૦૮૭૫૫ કાસ્ટેલબિસ્બલ/સ્પેન

આયાત, રિપેક કરવાર અને વિક્રેતા : બીએએસએફ ઇન્ડિયા લિમિટેડ **નોંધણીકૃત કચેરીનું :** ૧લો માળ, વિબગ્યોર ટાવર્સ, પ્લોટ નં. ૬૨, જી બ્લોક, વાંદ્રા-કુર્લા કોમ્પ્લેક્સ, બાંદ્રા (પૂર્વ), મુંબઈ-૪૦૦૦૫૧. **ફેક્ટરી :** યુનિટ નં. ૪, ગામ નિંબુઆ, પી.ઓ. મુબારકપુર-૧૪૦૨૦૧, તહેસીલ ડેરા બસ્સી, જિ. મોહાલી, પંજાબ.

Gujarati

पायराक्लोस्ट्रोबिन १०० ग्रॅ/लि सीएस
सेल्टिमा™
बुरशीनाशक

पायराक्लोस्ट्रोबिन १०० ग्रॅ/लि सीएस सेल्टिमा हे भातावरा राईस ब्लास्ट (करपा) या नियंत्रण निमित्तासाठी वापरण्यात येणारे प्रभावी बुरशीनाशक आहे

रासायनिक संरचना :

अनु क्र.	घटक	ग्रॅ/आ (ग्रॅ/लि)
१.	पायराक्लोस्ट्रोबिन स.घ.	१००
२.	अल्कोहोल, सी८-१० एथिक्सीलेटेड प्रोपोक्सीलेटेड	१००
३.	अरोमॅटिक हाइड्रोकार्बन्स, नॅफ्थालीन डिप्लेटेड यांचे मिश्रण	१००
४.	ग्लिसरॉल	५०
५.	आइसोसायन्युरेटवर हेक्सामिथायलीन डायसायनेट पर आधारित पॉलीआइसोसायनेट	३९.८
६.	अल्कोहोल, सी१२-१८ एथिक्सायलेटेड प्रोपोक्सीलेटेड	३७.६
७.	एन-बुटानॉल आल्कोक्सीलेट	११.३
८.	सोडियम लिग्नोसल्फोनेट	९.८
९.	डायथिलिन ट्रायमाइन	७.५
१०.	रासायनिक रीतीने तयार कार्बनेटु सिलिकोन डायोक्साइड	५
११.	पॉलिसॅकेराइड	२.५
१२.	१,२-बेन्झिसोथियाझोलाइन-३-वन प्लस २-मिथाइल-४-आइसोथियाझोलाइन-३-वन	२
१३.	सिलिकोन अँटिफोम	२
१४.	सायट्रिक ॲसिड मोनोहाइड्रेट	१
१५.	पाणी	क्यु.एस.
	एकूण	**१०००.०**

घनता : १.०५ ग्रॅ/सेमी³

प्रयोग आणि वापरासाठी शिफारशी : खाली दिलेल्या शिफारशींनुसार वापर केल्यास पायराक्लोस्ट्रोबिन १०० ग्रॅ/लि सीएस हे भातावरा राईस ब्लास्ट (करपा) रोगावर प्रभावी नियंत्रण मिळवून देते.

पीक	रोगाचे सामान्य नाव	मात्रा/हेक्टर			प्रतीक्षा कालावधी (दिवसात/आठवडे) (दिवस)
		स.घ. (ग्रॅम)	रसायन (मिली)	पाणी (लीटर)	
भात	राईस ब्लास्ट (करपा)	१००	१०००	५००	१८

वापरणी वेळ व पिकाचा टप्पा : रोगाचा प्रथम प्रादुर्भाव दिसून येण्यापूर्वी प्रतिबंधात्मक वापर. खोडाची वाढ होण्यापासून पुष्पधारा होईपर्यंतच्या टप्प्यामध्ये वापर करा.

वातावरणाची स्थिती : सकाळचे सकाळी आणि संध्याकाळी वापरावे. जोरदार वारे असताना आणि १ तासाच्या आत पाऊस पडण्याचा अंदाज असताना वापर करण्याचे टाळा.

माती : हे पानावर वापरण्यायोग्य बुरशीनाशक आहे. सोलणीनंतर तयार करण्यासाठीची विशेष शिफारशी नाहीत.

वापराचे तंत्र, उपकरणाचा प्रकार, नोझलचा प्रकार : हॉलोकोन नोझल बसविलेले ग्राउंड बॅपपॅकचा वापर करावा. पिकाचा व्यापलेला आकाशाचा क्षेत्रावरील बुरशीनाशकाचे विकसाचा केलेलया पाण्याची मात्रा वापरावी.

मात्रा : प्रत्येक हेक्टरसाठी ५०० लिटर पाण्यामध्ये १००० मिली वापरावा तयार केलेले रसायन.

मिश्रणासाठी सूचना : १. उत्पादनाची आवश्यक मात्रा मोजून घ्या आणि ती थोडाशा पाण्यामध्ये व्यवस्थित मिसळून घ्या. राष्ट्रादाराच्या निर्देशित केल्यानुसार पाण्याची उर्वरित मात्रा त्यात टाका. २. उत्तम कामगिरी आणि पर्यावरणाची सुरक्षितता यांच्या दृष्टीने कॅप्सूलची सुरक्षितता टिकवून ठेवण्यासाठी थेट फवारणी यंत्रात मिसळा आणि तात्काळ वापर करा.

किटकनाशके, खते, चिप्पाकर द्रवे असणारे पूरक पदार्थ यांच्यासोबत टँकमध्ये मिश्रण तयार करू नये अशी शिफारस करण्यात येत आहे.

पुनर्वापर कालावधी : फवारणीचे रसायन सुकून झाल्यानंतर.

पीएचआय : १८ दिवस

वापराची वेळ : हे उपचार रोगप्रतिबंधक औषध म्हणून वापरता येऊ शकते. सकाळी सकाळी व संध्याकाळी वापर करण्यात यावा.

फवारणीच्या कमाल संख्येसह सांतत्यता : प्रत्येक लागवत दोनवेळा जास्त फवारणा होणार नाहीत अशा रीतीने १०-१५ दिवसांच्या अंतराने फवारणा करा. सारखाच कार्यप्रवृत्तीने लागेपाठ फवारणा करणे टाळलाहा यावे.

कोणत्याही पिकावर बुरशीनाशकाचा वापर करू नये असे टप्पे : खोडाची लांबी वाढल्यानंतर व फुलधारणेनंतर वापर नये.

हा लेबल/लीफलेटमध्ये उल्लेख नसलेल्या पीकावर वापरू नये.

हा लेबल/माहितीपत्रकात नमूद केलेल्या पिकव्यतिरिक्त इतर पिकांवर उपयोग करू नये.

जलचर जीवजंतूंसाठी विषबाधा परिणाम घडविणारे असल्याने पाण्याचे साठे किंवा मासेपालनाचे क्षेत्र येथे वापर करू नये.

साठवणाची पद्धत :
१. बुरशीनाशकांची पॉकेजेस खाद्यपदार्थ खोलीपेक्षे किंवा अन्य जागी ठेवावी ती इतर पदार्थ साठवण्याच्या खोलीपासून दूर असावी अथवा स्वतंत्रपेटया कुलूपबंद कपाटात ठेवावीत.
२. बुरशीनाशके ठेवण्याची खोली किंवा जागा व्यवस्थित बांधकाम असलेली सोपी हवाखासाची सोय असलेली आणि बाष्पीभवनामुळे प्रदूषण होऊन नाही एवढ्या आकारमानाची असावी.

सुरक्षितपणे वापरावरी :
१. द्रावण तयार करताना सांडणे आणि सिंतोडे उडाण्यामुळे बाधायदेट आत जाते आणि त्वचेशी संपर्क टाळावा. उघड्या हाताने मिश्रण तयार करू नका.
२. उपयोग करणाऱ्या व्यक्तीने संपूर्ण संरक्षणात्मक कपडयांचा उपयोग करावा. त्यामी गलोश, बूटस, चेहरा झाकण आणि संपूर्ण कपडे किंवा त्यामी ॲप्रन किंवा हॅटचा उपयोग करावा.

विषबाधेची लक्षणे : प्रारंभिक लक्षणे ही श्वसनमार्गातील त्रास, डोळे दुखणे, त्वचेवरील खाज, त्वचा लालसर होणे, अशक्तपणा, डोकेदुखी व चक्कर येणे अशी असू शकतात.

प्राथमिक उपचार : गेलेल्या गेल्यास : जर व्यक्ति जागरूक असेल तर तोंड पाण्याने धुवून घ्या व १ ते २ ग्लास पाणी पिण्यास द्या. बेशुद्ध व्यक्तिला तोंडद्वारे कधीही काहीही देऊ नका. डॉक्टरांना बोलवा. उपचार करणाऱ्या डॉक्टरांनी सांगितल्याशिवाय ओकारया आणू नका. **श्वासात गेल्यास:** रुग्णाला मोकळ्या ठोक हवा असलेल्या ठिकाणी नेऊन त्याच्या शरीराचे तापमान टिकवून ठेवावे. जो दर्दी श्वास घेतो न वाटत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्यावे. **त्वचेशी संपर्क झाल्यास :** भरपूर साबण व पाणी वापरून धुवावे. जर दुखणे, लालसर होणे किंवा त्वचा चरचरत असल्यास डॉक्टरांचा सल्ला घ्या. **डोळ्यांशी संपर्क झाल्यास :** डोळ्यांचे पाणी, डोळ्यांचे सौम्य आजार: भरपूर पाणी घेऊन कमीत कमी १५ मिनिटं डाव प्रवाह धरणी धरा. जर दुखणे, चरचरणे व फोटोफोबिया हो तो डोळ्यांच्या तज्ज्ञाचा सल्ला घ्या.

डॉक्टरांचा सल्ला : विषबाधा झाल्यास लक्षणांनुसार उपचार करा.

उतारा : विशिष्ट उतारा नाहीत नाही.

चेतावणी : खाली डब्याचा पुनरुपयोग करणे धोकादायक आहे.

वापरलेले कंटेनर सुरक्षितपणे नष्ट करणे :
१. पॉकेजेस व पाण्याचे प्रदूषण होऊ नये यासाठी फेकलेल किंवा उरलेल्या माल आ